Volume 02 Issue 01 May 2022

BullionWorld

World of Bullion Research

www.bullionworld.in

बुलियन व्यापार चर्चा श्रृंखला १: भारत–यूएई सीईपीए समझौता मे एचएस कोड के चेप्टर–७१ पर चर्चा
आयोजन– २६ अप्रैल २०२२ आयोजक– इवेन्टेल ग्लोबल एडवॉज़री प्रा. लि.
08

ज्वैलरी निर्यात के लिए एचयूआईडी हॉलमार्किंग
14

आईजीपीसी–आईआईएमए का ५वां गोल्ड एवं गोल्ड बाजार वार्षिक सम्मेलन; ११–१२ अप्रैल २०२२
18

RESHAPING VALUE, FOR A CENTURY & BEYOND.

RESHAPING VALUE

IT'S NOT JUST WHAT WE DO, IT'S HOW WE'RE RESHAPING THE WAY WE DO IT.

There was a time when value in the industry was measured only in purity, and weight, but today provenance and ethical background play an important part in value. Which is why we are always evolving how we source our metal. Our commitment to responsible business practices and sourcing, allow us to not only preserve our business, but our industry and planet.

LBMA
GOOD DELIVERY REFEREE

www.randrefinery.com

RAND REFINERY

ABC BULLION

A PALLION COMPANY

Preserving Your Wealth Through Uncertainty

Your global bullion industry partner

LBMA GOOD DELIVERY REFINER · CME Group · SGE · SBMA · NATA ACCREDITED FOR TECHNICAL COMPETENCE · STANDARDS Australia · IEC · ilac · AUSTRALIAN MADE

abcbullion.com

SEQUEL
GLOBAL PRECIOUS LOGISTICS
SEBI Appoints SEQUEL as the First Vault Manager for the Domestic Gold Spot Exchange.
18 High-Grade Vaults of Sequel are currently registered with SEBI
bulliondesk@sequel.co.in | +91 901 902 4444 | www.sequelglobal.com

EDITORIAL

प्रिय पाठकों,

अभिवादन!

हाल मे गोल्ड उद्योग मे अनेकों नई उपलब्धियां देखने को मिली है, भारत व यूएई के मध्य १८ फरवरी २०२२ को हुए सीईपीए करार के बाद पहला निर्यात खेप १ मई २०२२ को भेजा गया है। आईबीई का अधिकारिक परिचालन १८ अप्रैल २०२२ को गिफ्ट सिटी, गुजरात मे शुरु हो गया। यह सभी भारतीय गोल्ड उद्योग के सुनहरे अध्याय के रुप मे जाने जायेंगे।

वित्तीय वर्ष २०२१–२२ के दौरान (अप्रैल–फरवरी) भारत का गोल्ड आयात ८४२.२८ टन या ४६.१४ बिलियन डालर का रहा जबकि इसके पिछले वित्तीय वर्ष मे कुल आयात ३४.६२ बिलियन डालर का हुआ था। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड खपत कर्ता देश है। जेम्स व ज्वैलरी निर्यात के संदर्भ मे बात करें तो वित्तीय वर्ष २०२१–२२ मे यह पिछले वर्ष तुलना मे ५०% बढ़कर ४० बिलियन डालर हुआ है। यूएई के साथ करार होने के बाद इसमे और भी वृद्धि होने का अनुमान है।

बुलियन वर्ल्ड के इस अंक मे हमने भारत–यूएई के मध्य हुए सीईपीए करार के संबंध मे आयोजित वेबिनार के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहें है। इसके अलावा भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएम–ए) के इन्डिया गोल्ड पॉलिसी सेन्टर (आईजीपीसी) द्वारा पूरे देश के घरेलु उपभोक्ताओं के मध्य गोल्ड की खपत पर किए गए सर्वे के प्रमुख निष्कर्षों के सारांश को भी हमने प्रकाशित किया है।

भारतीय गोल्ड उद्योग अभी बड़े सुधार के दौर से गुजर रहा है जिसकी प्रतीक्षा काफी लंबे समय से की जा रही थी। अभी के समय मे उद्योग का एकीकरण की प्रमुख आवश्यकता है जिसके लिए गोल्ड बुलियन तथा ज्वैलरी क्षेत्र मे पारदर्शिता लाने के लिए अनेक प्रयास शुरु किए गये है। स्वर्ण आदर्श अभियान इन्ही प्रयासों मे से एक है जिसका उद्देश्य उद्योग को बेहतर बनाने के लिए समग्र व्यवसाय को प्रोत्साहित करना है। इसका सिद्धांत वर्ल्ड गोल्ड काउन्सिल के रिटेल गोल्ड इन्वेस्टमेन्ट प्रिंसिपल से निर्देशित है। इस प्रयास का उद्देश्य उत्पाद तथा सप्लायरों के मध्य विश्वसनीयता स्थापित करना तथा आचार–संहिता/ स्वयं आंकलन के माध्यम से एक प्रभावी, कुशल तथा विश्वसनीय गोल्ड खुदरा बाजार के लिए बेहतर क्रिया–कलापों का निर्माण करना है। आने वाले समय मे हमारा अनुमान है कि गोल्ड वैल्यु चेन के सभी क्षेत्र इसके अंग बनेंगे तथा भारतीय गोल्ड उद्योग को एक नयी ऊंचाई तक ले जायेंगे।

हमे आशा है कि आपकों हमारा यह अंक पसंद आयेगा। कृपया हमारे साथ अपनी प्रतिक्रियाएं तथा अन्य जानकारियां ज्छत्ळब्ब्र ध्त्न्त्बप्ब्ब्त्छ.त्फ पर साझा करें।

शुभकामनाओं सहित
नीलाम्बरी दासगुप्ता
एडिटर

ADVISORY BOARD

Rajesh Khosla
Prithviraj Kothari
Bhargava Vaidya
Surendra Mehta

CEO & DIRECTOR
G Srivatsava

COO & DIRECTOR
Vinayak Meharwade

VICE PRESIDENT
Abhinaya

EDITOR
Neelambari Dasgupta

DESIGNER
Radhika

WEB DESIGN
Manivannan

DATA SUPPORT
Gajendra

Team:
Swapna BE
Srikantharaman LS
Ravi
Shivakumar
Jaisheelan
Ramya

PUBLISHING OFFICE
Bullion World
#146, 1-2 Floor, Gopal Towers
Ramaiah Street, HAL Airport Road, Kodihalli
Bangalore - 560008

Tel: + 91-80-41535476
Email: editor@bullionworld.in
Web: www.bullionworld.in

Bullion World neither endorses the advertised product, service or company nor any of the claims made by the advertisement or the advertiser. Readers are encouraged to do necessary due diligence before initiating any action. Should you like to share your feedback on any of advertisers, please write to editor@bullionworld.in

08

बुलियन व्यापार चर्चा श्रृंखला १: भारत–यूएई सीईपीए समझौता मे एचएस कोड के चेप्टर–७१ पर चर्चा आयोजन– २६ अप्रैल २०२२ आयोजक– इवेन्टेल ग्लोबल एडवॉज़री प्रा. लि.

14

ज्वैलरी निर्यात के लिए एचयूआईडी हॉलमार्किंग

18

आईजीपीसी–आईआईएमए का ५वां गोल्ड एवं गोल्ड बाजार वार्षिक सम्मेलन; ११–१२ अप्रैल २०२२

22

स्वर्ण आदर्श अभियान (एसएए)
भारतीय गोल्ड उद्योग की एक पहल

25

सिक्वल लॉजिस्टिक्स: घरेलु स्पॉट एक्सचेंज का सेबी मान्यताप्राप्त पहला वॉल्ट मैनेजर

30

ब्राइट मेटल्स रिफाइनर्स

39

Data, Statistics & IBJA Rates

NSE | Commodity Derivatives

www.nseindia.com

Introduction of 1 gram Gold contract with delivery-based settlement on NSE Commodity Derivatives segment.

In addition to the Gold Futures (1 Kg) contracts and Gold Mini (100 gms) contracts, NSE is pleased to launch 1 gram Gold contracts w.e.f. June 07, 2021, on its NSE Commodity Derivatives segment.

Key Highlights

- Assured delivery of 999.0 purity gold
- Competitive making charges
- Delivery only from NSE approved Domestic Refiners or London Bullion Market Association (LBMA) certified Refiners
- One step closer to Atmanirbhar Bharat

List of NSE Approved Refiners

- M/s Augmont Enterprises Pvt. Ltd.
- M/s GGC Gujarat Gold Centre Pvt. Ltd.
- M/s Kundan Care Products Ltd.
- M/s M. D. Overseas Ltd.

For more details, log onto **www.nseindia.com** or contact your **SEBI registered broker**

DISCLAIMER: The information contained in this brochure including text, graphics or other items are provided on an 'as is', 'as available' basis. NSEIL does not warrant the accuracy, adequacy or completeness of this information and material and expressly disclaims liability for errors or omissions in this information and material. No warranty of any kind, implied, express or statutory, including but not limited to the warranties of non-infringement of third party rights, title, merchantability and fitness for a particular purpose is given in conjunction with the information and materials. In no event will NSEIL be liable for any damages, including without limitation direct or indirect, special, incidental, or consequential damages, losses or expenses arising in connection with this brochure or use thereof or inability to use by any party, or in connection with any failure of performance, error, omission, interruption, defect, even if NSEIL or representatives thereof, are advised of the possibility of such damages, losses or expenses.

बुलियन व्यापार चर्चा श्रृंखला 1: भारत–यूएई सीईपीए समझौता मे एचएस कोड के चेप्टर–71 पर चर्चा आयोजन– 26 अप्रैल 2022 आयोजक– इवेन्टेल ग्लोबल एडवॉज़री प्रा. लि.

विशेषज्ञ

श्री पृथ्वीराज कोठारी, आईबीजे ए । श्री के श्रीनिवासन, एमरॉल्ड ज्वैल्स । श्री प्रमोद मोहन, फिनमेट । श्री भार्गव वैद्य, बीएन वैद्य एन्ड एसोसिएट । श्री चंदु सिरोया, सिरोया ज्वैल्स एलएलसी

संचालन– नीलाम्बरी दासगुप्ता

Mr Prithviraj Kothari
IBJA

Mr K Srinivasan
Emerald Jewels

Mr Pramod Mohan
FinMet Pte Ltd.

Mr Bhargava Vaidya
B N Vaidya & Associate

Mr Chandu Siroya
Siroya Jewellers LLC

भारत तथा यूएई के मध्य सीईपीए समझौते पर १८ फरवरी २०२२ को करार हुआ है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि इसमे माल, सेवा तथा व्यक्तियों की गतिविधियों को शामिल किया गया है। इस समझौते से दोनो देशों के मध्य अर्थिक गठबंधन मे मजबूती आयेगी। इसके लिए दोनो देशों की सरकारें बधाई की पात्र है, हमारा मानना है कि सीईपीए १ मई २०२२ से लागू हो जायेगा।

Annex 2A – Schedule of Specific Tariff Commitments of India on Trade in Goods
7108 (GOLD (INCLUDING GOLD PLATED WITH PLATINUM) UNWROUGHT OR IN SEMI -MANUFACTURED FORMS, OR IN POWDER FORM)

HS Code	Description	Standard Rate (%)	Effective Rate (%)	Tariff Modality Offerred	Schedule of Tariff Rate Concession (%)				
					Year-1	Year-2	Year-3	Year-4	Year-5
7108 1100	non-monetary gold powder	12.5	10						
7108 1200	Other unwrought forms of non-monetary gold	12.5	10		1% abs reduction over the applied rate				
7108 1300	other semi-manufactured forms of non-monetary gold	12.5	10	TR (Tariff concession/relief of 1% in absolute percentage terms, TRQ of 200 tonnes phased in 5 years)					
					TRQ=120	TRQ=140	TRQ=160	TRQ=180	TRQ=200

डीजीसीएक्स के स्वतंत्र सलाहकार तथा दुबई बुलियन व रिफाइनिंग उद्योग मे काफी नजदीकी पकड़ रखने वाले विशेषज्ञ के तौर पर आप इस समझौते को किस प्रकार से देख रहें है?

श्री प्रमोद मोहन– यहां पर शासकीय अधिकारियों के द्वारा गोल्ड उद्योग के नेतृत्व के साथ मिलकर बेहतर गोल्ड मानकों के प्रोत्साहन की दिशा मे किए गये प्रभावी प्रयासों की झलक मिलती है। लंबे समय के बाद यह दुबई गुड डिलीवरी के लिए मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान मे दुबई गोल्ड ज्वैलरी के बड़े रिफाइनिंग केन्द्र के रुप मे विकसित हो रहा है साथ ही यहां पर पिछले कुछ वर्षों मे गोल्ड ज्वैलरी निर्माण गतिविधियों मे भी वृद्धि हुई है। इस संदर्भ मे सीईपीए के चलते बुलियन व ज्वैलरी पर भिन्न ड्युटी लागू होना निश्चित रुप से सही दिशा मे उठाया गया कदम है। इसके चलते दोनो देशों के मध्य व्यापार एक नयी ऊंचाई पर पहुंचेगा।

Annex 2A – Schedule of Specific Tariff Commitments of India on Trade in Goods

7113 (ARTICLES OF JEWELLERY AND PARTS THEREOF, OF PRECIOUS METAL OR OF METAL CLAD WITH PRECIOUS METAL)

HS Code	Description	Standard Rate (%)	Effective Rate (%)	Tariff Modality Offerred	Schedule of Tariff Rate Concession (%)				
					Year-1	Year-2	Year-3	Year-4	Year-5
7113 1910	Articles of jewellery of gold unstudded	20	20	TR (2500 kg)	19	18	17	16	15
7113 1920	Articles of gold, set with pearls	20	20						
7113 1930	articles of gold set with diamonds	20	20						
7113 1940	Articles of gold set with other precious and semi-precious stones	20	20						
					2100	2200	2300	2400	2500

Currently, 7113 -1910, 1920,1930 and 1940 free

blob: https://www.dgft.gov.in/0726ca0b181-452c989dc024efcd1a16

हाल मे कितनी गोल्ड ज्वैलरी का निर्यात यूएई से होता है? क्या इस समझौते से मिले छूट के चलते यूएई के ज्वैलरी निर्यातकों के लिये भारत मे बड़े अवसर पैदा होंगे?

श्री चंदु सिरोया– भारत ने ड्युटी मे १% छूट प्रदान किया है, यूएई ने पूरा छूट दिया है इसलिये जो भी यूएई को ज्वैलरी निर्यात करेगा उसे पूरा लाभ मिलेगा। इस तरह से यूएई मे भारत मे निर्मित ज्वैलरियों के मूल्य प्रतिस्पर्धि हो जायेंगे तथा यहां ने ज्वैलरी उन्हे प्रतिस्पर्धात्मक दाम मे बेच पायेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि दोनो देशों के मध्य बेहतर कारोबार होगा। भारत ज्वैलरी निर्माण बढ़ सकता है क्योंकि यूएई के छोटे ज्वैलरी निर्माता भारत मे स्थानान्तरित हो सकते है क्योंकि यहां ड्युटी मे छूट मिलेगी और साथ ही यूएई की तुलना मे कम निर्माण लागत का भी लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर यह दोनो देशों के लिए लाभकारी है।

यूएई से भारत को गोल्ड ज्वैलरी निर्यात पर क्या असर होगा?

श्री चंदु सिरोया– इससे यूएई के निर्यातकों को लाभ नही मिलेगा क्योंकि ड्युटी दर काफी अधिक है तथा हर दिन इतने उच्च ड्युटी स्तर पर ज्वैलरियों की बिक्री नही हो सकती है। यदि ड्युटी मे कमी की जाती है तब यह यूएई के निर्यातकों के लिए अवसर साबित होगा।

आपका इस पर क्या विचार है? क्या इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी या दबाव? या इसका कोई प्रभाव नही पड़ेगा? आपकों इसमे क्या सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है?

श्री के श्रीनिवासन– यह भारतीय गोल्ड ज्वैलरी निर्यातकों के लिए सुनहरा अवसर है, यहां के निर्माता अनेक प्रकार की ज्वैलरियों का निर्माण करते है तथा अब इन्हे ०% ड्युटी पर यूएई को निर्यात भी कर सकते है। समान प्रकार की ज्वैलरी मलेशिया, सिंगापुर, टर्की तथा इटली मे भी निर्मित की जाती है लेकिन उन्हे अधिक निर्यात ड्युटी चुकानी होगी इसलिए भारत से जितना भी यूएई को निर्यात हो रहा है वह न्युनत रुप से दुगुना जरुर हो जायेगा। यह हमारे देश मे प्रधानमंत्री के मेक इन इन्डिया विजन का अहम हिस्सा है। यहां के निर्माताओं के लिए अच्छा व्यवसाय होगा क्योंकि वे यूएई मे निर्यात करेंगे तथा फिर यहां से यह अन्य देशों को निर्यात किया जा सकेगा।

भारत से प्लेन गोल्ड ज्वैलरी निर्यात ३.५ बिलियन लगभग का होता है, इसमे यूएई को कितनी ज्वैलरी का निर्यात होता होगा?

श्री के श्रीनिवासन– भारत से प्लेन गोल्ड ज्वैलरी निर्यात दोगुना व तिगुना हो सकता है। जब ड्युटी दर ५% थी तब यूएई के आयातकों के लिए यह काफी महंगा साबित होता था, अब ड्युटी शून्य हो जाने से यहां के ज्वैलर भारतीय ज्वैलरियों को बढ़ावा देंगे क्योंकि उनका मार्जिन बढ़ जायेगा।

पिछले वर्ष भारत से कितनी गोल्ड ज्वैलरी यूएई को निर्यात हुई थी? इसमे प्लेन व जड़ाऊ ज्वैलरियों का क्या योगदान था?

यूएई प्लेन गोल्ड ज्वैलरी का बड़ा आयातक देश है, हालांकि कम मात्रा मे जड़ाऊ ज्वैलरियों का भी आयात होता है। यहा पर २१ व २२ कैरेट की ज्वैलरियां चलती है, लेकिन इटालियन या टर्किश डिजाईन के उन्नत तकनीकों से निर्मित १८ कैरेट की ज्वैलरियां भी भारत से आयात की जाती है।

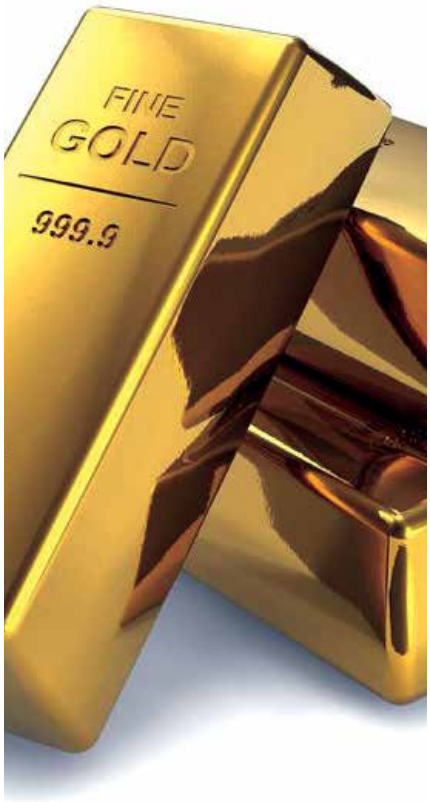

Annex 2A – Schedule of Specific Tariff Commitments of India on Trade in Goods
7112

HS Code	Description	Standard Rate (%)	Effective Rate (%)	Tariff Modality Offerred
7112 9100	Other waste and scrap of gold inclu. metal clad with gold but excluding sweepings containing other precious metals	12.5	12.5	TEI (Tariff elimination immediate)
7112 9920	Sweepings containing gold and silver	12.5	12.5	TEI

7112:

WASTE AND SCRAP OF PRECIOUS METAL OR OF METAL CLAD WITH PRECIOUS METAL; OTHER WASTE AND SCRAP CONTAINING PRECIOUS METAL OR PRECIOUS METAL COMPOUNDS, OF A KIND USED PRINCIPALLY FOR THE RECOVERY OF PRECIOUS METAL

Currently, 7112-9100 & 9920 imports are free

blob:https://www.dgft.gov.in/0726ca0b-181-452c-989d-c024efcd1a16

स्क्रैप गोल्ड से संबंधित प्रावधान को लेकर किस प्रकार की चिंता जताई जा रही है?

श्री चंदु सिरोया– भारत व यूएई के बुलियन बाजार मे अनेकों चर्चाएं हो रही है, इस धारा मे कहा गया है कि यूएई से भारत मे स्क्रैप गोल्ड के आयात पर कोई आयात शुल्क लागू नही है। यदि यह सत्य है तो फिर यूएई से भारत मे काफी मात्रा मे पुराने या स्क्रैप गोल्ड ज्वैलरियों का निर्यात किया जायेगा। हमे इसकी सत्यता की प्रतीक्षा करनी होगी, यदि ऐसा है तो यूएई से काफी निर्यात किया जायेगा।

स्क्रैप को लेकर आपका क्या विचार है?

श्री पृथ्वीराज कोठारी– स्क्रैप के लिए उल्लेखित ०% ड्युटी के लिए उसमे ४०% वैल्यु एडिशन होना होगा, इसलिए किसी के लिए यह संभव नही है कि गोल्ड निर्यात करने के उद्देश्य से उसमे ४०% वैल्यु एड कर उसे बेचे, यह संभव तथा व्यवहार्य नही है। ऐसी स्थिति मे हम पूरी तरह से स्क्रैप आयात पर निर्भर हो जायेगें तथा अनेकों रिफाइनरियां तथा बैंक इससे प्रभावित होंगे। यदि इसमे ४०% वैल्यु एडिशन है तो हम हम उस मूल्य पर इसे ०% पर आयात नही कर सकते है।

आईबीजेए संबद्ध मंत्रालय को स्पष्टीकरण से लिए पत्र लिखा है कि ०% आयात शुल्क तथा ४०% वैल्यु एडिशन किस प्रकार निर्धारित होगा। लेकिन मुझे लगता है कि ०% ड्युटी संकेद्रित या कॉन्सन्ट्रेटेड गोल्ड पर लागू होगा।

श्री भार्गव वैद्य– भारत के कस्टम के अनुसार इस कानून के तहत परिचालन असंभव है यदि कोई स्क्रैप को भी स्वीकृति दे दी जाती है। इस नियम के एक लाइन भी दी गयी है जिसमे आयातक को कस्टम विभाग को एक डिक्लियरेशन या घोषणा पत्र देना होगा जिसमे उन्हे गलती निश्चित ही समझ आ जायेगी। मुझे लगता है कि इस पर शीघ्र जी स्पष्टीकरण मिल जायेगा, और इस नियम के अंतर्गत कोई लेनदेन नही होगा।

स्रोत को लेकर इसमे क्या बात कही गयी है?

श्री भार्गव वैद्य– इस नियम मे कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर निर्माण ईकाई होनी चाहिये जहां पर वास्तविक निर्माण हुआ हो। कस्टम इसे स्क्रैप कहने से मना कर सकता है बजाय इसे वेस्ट कह सकता है जिसे रीसायकल किया जा सकता है। इसलिए यह बेहतर है कि स्पष्टीकरण के लिए प्रतीक्षा की जाये। मेरा कोठारीजी से अनुरोध है कि आईबीजेए इस संबंध मे शीघ्र कदम उठाये।

EXCHANGE TRADED BULLION CONTRACTS -

FAIR AND TRANSPARENT MEANS OF INVESTMENT

SMALLER DENOMINATION GOLD & SILVER FUTURES CONTRACTS

Developing gold and silver as an asset class. Investment in smaller denomination contracts backed with delivery is witnessing an increasing interest from retail participants.

Smaller denomination contracts are designed to cater to the organized retail investor demand. They also capture the imagination of a fast emerging new-age clientele with an evolving view on gold and silver as an investment class.

SALIENT FEATURES

- Smaller denomination contract
- Providing a systematic investment plan (SIP) type of flexibility
- Coins and bars can be held and accumulated in the electronic format and physical delivery also available
- It comes with an individual assaying certificate with quality assurance
- Convenience of transaction and liquidity of exchange platform are key advantages
- Better Cash flow management and margin protection
- Inventory hedging amid volatile prices

Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund
Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting in commodity futures and options

MCX METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

Annex 2A – Schedule of Specific Tariff Commitments of India on Trade in Goods

7106 SILVER (INCLUDING SILVER PLATED WITH GOLD OR PLATINUM), UNWROUGHT OR IN SEMI-MANUFACTURED FORMS, OR IN POWDER FORM

HS Code	Description	Standard Rate (%)	Effective Rate (%)	Tariff Modality Offerred	Schedule of Tariff Rate Concession (%)				
					Year-1	Year-2	Year-3	Year-4	Year-5
7106 9220	Bars of silver(incl. silver coated with gold or platinum)	12.5	10	TEP over 10 years	9.5	9	8	7	6
7106 9290	Other semi-manufactured forms of silver(incl. silver plated with gold or platinum)	12.5	10	TEP over 10 years	9.5	9	8	7	6

28432100– silver nitrate currently at 10% customs duty is placed under TEI at 0%.

Silver nitrate contains 61% silver and is the starting point for silver powder and making of several silver alloys. (annual demand of which is 1000 tons)

ऐसा कहा गया है कि ७१०६ के अंतर्गत किए प्रावधान से भारत मे सिल्वर कारोबार बढ़ेगा, आपकी क्या राय है?

श्री पृथ्वीराज कोठारी– यदि हम सिल्वर के आयात पर ड्युटी या टैरिफ को घटाते है यह अच्छा होगा। भारत मे लगभग ५,००० टन सिल्वर का आयात होता है, यहां पर अनेक रिफ़ायनर भी है। यदि ऐसा किया जाता है तो हम भी अन्य से प्रतिस्पर्धा कर सकते है।

यूएई से सिल्वर आयात का क्या परिदृश्य है? क्या इस प्रावधान से यूएई से सिल्वर आयात बढ़ेगा, और क्या यूएई रिफ़ायनर इससे उत्साहित है?

श्री प्रमोद मोहन– पिछले कुछ वर्षों से यूएई के रिफ़ायनरों के लिए सिल्वर को लेकर कोई उत्साह नही रहा है। गोल्ड को अधिक तरजीह दी गयी है लेकिन कुछ रिफ़ायनर छोटे बारों व सिक्कों पर कार्य भी कर रहें है। ये भारत को निर्यात भी नियमित कर रहें है इसलिए यह प्रावधान इन्हे आकर्षित जरुर करेगा।

श्री के श्रीनिवासन– १००%, हाल मे यूएई को सिल्वर ज्वैलरी का निर्यात नही किया जा रहा है लेकिन इस समझौते के बाद अवश्य ही निर्यात शुरु हो जायेगा। लेकिन भारत के निर्यात के लिए यूएई रिफ़ायनरों को सिल्वर अन्य देशों से आयात करना होगा जो कि अधिक लाभप्रद नही रहेगा।

श्री भार्गव वैद्य– सिल्वर का कोई विशेष आयात देखने को नही मिल सकता है क्योंकि बड़ी बुनियादी सुविधायें नही है। ऐसा हो सकता है किसी अन्य देशों से आयातित छोटे सिल्वर बार यूएई के रिफ़ायनरों द्वारा निर्यात किये जाये। आने वाले समय मे जब अंतर २–३% हो जायेगा फिर सिल्वर मे अधिक झुकाव देखने को मिलेगा।

सिक्वल लॉजिस्टिक्स: घरेलु
एक्सचेंज का सेबी मान्यताप्राप
पहला वॉल्ट मैनेजर

Ravindra Heraeus Pvt. Ltd.

Ravindra Heraeus: World-Class Refining of Platinum and Palladium

Rely on 160 years expertise in Precious Metal Services

LPM LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

The London Platinum and Palladium Sponge Accredited Refiners

Platinum Sponge Accreditation Certificate

We hereby certify that

Ravindra Heraeus Private Limited

Of

Madri, Udaipur

Has met the relevant LPPM criteria and passed the tests in respect of its sponge assaying capability

Date: 2nd of March 2022

Note: An LPPM Sponge Accredited Refiner will have their assaying capability tested every three years

Chairman, LPPM *Vice Chairman*

LPM LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

The London Platinum and Palladium Sponge Accredited Refiners

Palladium Sponge Accreditation Certificate

We hereby certify that

Ravindra Heraeus Private Limited

Of

Madri, Udaipur

Has met the relevant LPPM criteria and passed the tests in respect of its sponge assaying capability

Date: 2nd of March 2022

Note: An LPPM Sponge Accredited Refiner will have their assaying capability tested every three years

Chairman, LPPM *Vice Chairman*

- LPPM certified platinum and palladium sponge refiner
- Physical supply of precious metals in all relevant forms
- Precious metal catalysts and engineered products
- Precious metals pool accounts, financing and risk management
- Recycling and refining of gold, palladium, platinum, rhodium and silver
- Logistics, insurance and waste management

Contact us: Ravindra Heraeus Pvt Ltd | info@ravindraheraeus.com | www.ravindraheraeus.com

स्वर्ण आदर्श अभियान (एसए

भारतीय गोल्ड उद्योग की एक पहल

ज्वैलरी निर्यात के लिए एचयूआईडी हॉलमार्किंग

इस आलेख के लिए श्री जेम्स जोस, प्रेसीडेन्ट, फेडरेशन ऑफ हॉलमार्किंग एसोसिएशन ऑफ इन्डिया, का विशेष धन्यवाद जिन्होने आवश्यक जानकारियां तथा आंकड़े उपलब्ध कराये है।

भारत से जेम्स व ज्वैलरी निर्यात का वार्षिक मूल्य ४० बिलियन डालर है तथा यह ६.५% वार्षिक दर से बढ़ रहा है। ज्वैलरी क्षेत्र का इस निर्यात मे योगदान ७५% का है। लगभग ८०–८५% ज्वैलरियां यूएई, मिडिल–ईस्ट मे बसे भारतीय ग्राहकों तक पहुंचती है। यूरोपीयन देशों मे भारतीय ज्वैलरियों की पहुंच का कार्य अभी शेष है, यह बाजार मुख्य रुप से ९ व १४ कैरेट गोल्ड का बाजार है जहां पर उच्च गुणवत्ता की हल्के ज्वैलरियां पसंद की जाती है। भारत मे अनिवार्य हॉलमार्किंग तथा एचयूआईडी की शुरुआत वर्ष २०२१ मे बीआईएस के द्वारा की गयी जिसे कि बड़े स्तर पर ज्वैलरियों मे गुणवत्ता सुधार देखा गया है। भारत के लिए यह एक बेहतर समय है कि वह इन्टरनैश्नल विएना कन्वेन्शन (या कन्वेन्शन) मे शामिल हो जाये क्योंकि इससे अन्य देशों के कन्वेन्शन के साथ जुड़ाव हो जायेगा और यह भारतीय ज्वैलरी निर्यातकों के लिए नये बाजारों का अवसर प्रदान करेगा।

भारत मे हॉलमार्किंग की चुनौतियां

भारत मे हस्त–निर्मित ज्वैलरी मे एकरुपता या मानक नही पाया जाता है इसलिए किसी भी प्रकार की सटीक सैंपलिंग नही की जा सकती है। इसके अलावा हॉलमार्किंग केन्द्रों के लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न है कि वह किस प्रकार सही सैंपलिंग करे और पहचान अंकित करे। इसके चलते काफी अनियमितताएं तथा चालाकियां सामने आयी है। भारत मे ज्वैलरी निर्माण अधिकतर असंगठित क्षेत्रों मे कारीगरों द्वारा होता है जबकि पश्चिमी देशों मे यह फैक्ट्री मे निर्मित होता है, इसलिए गैर मानक सैंपलिंग की अनेक चुनौतियां सामने आती है। बीआईएस इस तरह से अनेक प्रकार की चुनौतियों से गुजर रहा है ताकि सही गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। भारत हर वर्ष १,००० टन या दस करोड़ ज्वैलरियों की बिक्री होती है इसलिए बीआईएस के लिए सत्यापन तथा सैंपलिंग करना आसाना कार्य नही है।

हॉलमार्किंग चुनौतियों का तकनीकी समाधान विकल्प

बीआईएस ने एक सेन्ट्रलाइज़्ड सॉफ्टवेयर शुरु किया है जिसमे हॉलमार्किंग केन्द्रों के कार्यों के नियमित निगरानी ६ अंको के एचयूआईडी के माध्यम से की जाती है, यह आईडी बीआईएस के सॉफ्टवेयर से जारी होती है तथा प्रत्येक सर्कल के एएचसी को दी जाती है। इस एचयूआईडी को बीआईएस की वेबसाइट या मोबाइल एप के माध्यम से जांचने पर उक्त उत्पाद के संबंध मे पूरी जानकारी मिल सकती है जैसे कि १) हॉलमार्किंग लाइसेंसी ज्वैलर का नाम, २) हॉलमार्किंग केन्द्र का नाम, ३) हॉलमार्किंग करने की तिथि व समय, ४) सामान का वजन तथा ५) शुद्धता। इससे उत्पाद या ज्वैलरी की शुद्धता या नकली होने का पता तुरंत चल जायेगा, इस एचयूआईडी को किसी भी समय बीआईएस अधिकारी, हॉलमार्किंग केन्द्रों, ज्वैलरों तथा ग्राहकों द्वारा आसानी से जांचा जा सकता है।

ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए कानून

संसद मे बीआईएस २०१६ कानून के बाद हॉलमार्किंग कानून २०१८ तथा कन्ज़्युमर प्रोटेक्शन एक्ट २०१९ पास हो गया है, हॉलमार्किंग लोगो के गलत उपयोग, प्रचार, उल्लंघन, छेड़छाड़ किये जाने पर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है जिसके अंतर्गत सामानों की जब्ती, आर्थिक दंड, एक वर्ष तक कारावास, दुकान की लाइसेन्स का निरस्तीकरण, दुकान बंद कराये जाने इत्यादि शामिल है।

एचयूआईडी की शुरुआत के बाद भारत के लिए इन्टरनैश्नल विएना कन्वेन्शन मे शामिल होने का सुनहरा समय

भारत सरकार द्वारा एचयूआईडी का कड़ा ट्रेसेबिलिटी तंत्र विकसित करने तथा इसके उल्लंघन पर कड़े दंड के प्रावधान किए जाने देश मे हॉलमार्किंग के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित किया है। हालांकि अभी भारतीय हॉलमार्किंग ज्वैलरी की अंतर्राष्ट्रीय़ मान्यता नही मिली है तथा इसके लिए भारत को इन्टरनैश्नल विएना कन्वेन्शन ऑन हॉलमार्किंग मे शामिल होने की आवश्यकता है। इसमे शामिल होने की आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद भारत को सदस्यता मिलेगी तथा वह विएना कन्वेन्शन का सीसीएम का उपयोग कर पायेगा, यह वर्तमान के एचयूआईडी के अलावा ४ अंक का होगा।

विएना कन्वेन्शन मे शामिल होने के लाभ

विएना कन्वेन्शन ऑन हॉलमार्किंग की शुरुआत वर्ष १९७५ मे हुई तथा इसमे ज्वैलरी के थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन के लिए कड़े अंतर्राष्ट्रीय़ मापदंडों को अपनाया गया है, इसमे हॉलमार्किंग उत्पाद किसी अन्य देशों मे बिना जांच के स्वीकार किए जा सकते है।

इस कन्वेन्शन मे शामिल होने से अन्य देशों के बाजारों मे पहुंच का मार्ग भी खुल जायेगा, वर्तमान मे विएना कन्वेन्शन से संबद्ध २१ देश है जबकि भारत वर्तमान मे केवल ४ देशों को ही प्रमुख रुप से निर्यात कर रहा है। हमारा अनुमान है कि इस अवसर के चलते भारत से ज्वैलरी निर्यात की मात्रा अगले दो वर्षों मे एक तिहाई बढ़ जायेगी तथा इसके कुछ वर्षों मे दोगुनी भी हो सकता है।

विएना कन्वेन्शन मे शामिल होने के लिए बीआईएस को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय से चर्चा करनी होगी तथा इसके आगे की प्रक्रिया शुरु करनी होगी।

विएना कन्वेन्शन मे शामिल होने की भारत की तैयारियां

भारत ने सभी आवश्यक नियम व कानून बनाए रखे है जो कि हॉलमार्किंग तथा सीसीएम लोगो की जालसाजी या गलत उपयोग होने से रोक सकता है।

साथ ही हॉलमार्किंग केन्द्र को आईएस १७०२५:२०१७ मान्यता प्राप्त होना आवश्यक है जो कि भारत मे एनएबीएल द्वारा किया जाता है जिसे आईएलएसी, सिंगापुर की मान्यता है तथा यह पूरे विश्व मे स्वीकार किया जाता है।ळ

भारत मे अभी आईएस १७०२५:२०१७ एनएबीएल से मान्यता प्राप्त ५१ लैब कार्यरत है, प्रिशियस मेटल्स जांच के सब–ग्रुप के अंतर्गत इनमे से ४१ फायर असे लैब है तथा बीआईएस मान्यता प्राप्त गोल्ड रिफाइनरियों मे स्थित है। बाकि १० लैब बीआईएस मान्यताप्राप्त हॉलमार्किंग केन्द्र है जो कि मुख्य निर्यात बाजारों मे स्थित है। इनमे से अनेकों निकायों को भारत के द्वारा विएना कन्वेन्शन मे शामिल होने के जल्द बाद ही जोड़ा जा सकता है।

सिंगापुर लॉजिस्टि
एक्सचेंज का सेब
पहला वॉल्ट मैनेज

LBMA

LPPM
LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

Global Precious Metals Conference 2022

3	30+	300+	5★
Days	Expert Speakers	Organisations	Venue

REGISTER YOUR PLACE NOW

LBMA/LPPM Global Precious Metals Conference will be an in-person event taking place in Lisbon, Portugal, from Sunday 16 – Tuesday 18 October 2022.

Register your place now and look forward to a prestigious five-star venue and high-profile speakers. You'll have plenty of opportunities to network, expand your business interests, and reconnect with others within the precious metals industry – including the LBMA Executive.

टक्स: घरेलु स्पॉट
बी मान्यताप्राप्त
जर

16 - 18 OCTOBER 2022, LISBON, PORTUGAL

INDIA GOLD POLICY CENTRE

आईजीपीसी–आईआईएमए का ५वां गोल्ड एवं गोल्ड बाजार वार्षिक सम्मेलन; ११–१२ अप्रैल २०२२

हाल मे आईजीपीसी–आईआईएमए द्वारा आयोजित गोल्ड एवं गोल्ड बाजार पर आधारित वार्षिक सम्मेलन नई दिल्ली मे संपन्न हुआ। इस सम्मेलन मे गोल्ड की घरेलु खपत सर्वे रिपोर्ट का प्रकाशन भी किया गया। इस सर्वे अनेकों रोचक बातें सामने आयी है, जैसे कि गोल्ड की अधिकतर खपत (औसतन ५६%) २–१० लाख रुपये की आयवर्ग वाले घरों मे हुई है। इस विश्लेषण मे यह बात सामने आयी है कि १० लाख रुपये से कम आयवर्ग के घरेलु उपभोक्ताओं के मध्य बचत को सुरक्षा माना गया है तथा स्थायी आय व परिवार एवं बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना उद्देश्य है। निवेश के रुप मे सेफ हेवन–गोल्ड या फिर सरकारी उत्पादों जैसे कि सावधि जमा, पीपीएफ, एल आईसी, पोस्ट ऑफिस बचत इत्यादि पर अधिक ध्यान दिया गया है। १० लाख रुपये से

अधिक आयवर्ग के घरों मे बचत मुख्य रुप से आदर्श धन से अतिरिक्त आय व पूंजीगत वृद्धि से हुई है। इस वर्ग के घरों मे निवेश शेयर, डेरीवेटिव्स तथा रीयलस्टेट मे किया जाता है। इसमे जोखिम अधिक है लेकिन साथ ही आय भी अधिक है। एक बार बात इस सर्वे से सामने आयी है कि नोटबंदी या जीएसटी के चलते गोल्ड निवेश मे कोई प्रभाव नही पड़ा है। ७४% सर्वे उत्तरदाताओं ने कहा है कि उन्होने पिछले पांच वर्षों मे गोल्ड की नियमित खरीदी की है तथा इसका माध्यम नगद था। ज्वैलरी की खरीदी के लिए ६५–७०% कारण त्योहार तथा विवाह का समय है। निवेश संबंधी खरीदी भी अधिकतर त्योहारों के समय ही किए जाते है, अक्षय तृतीया तथा धनतेरस इसके उदाहरण है। ३०–३५% ग्राहक विवेकानुसार गोल्ड पर खर्च करते है। इसके विपरीत गोल्ड की बिक्री के प्रमुख कारणों मे वित्तीय आवश्यकता की पूर्ति, चिकित्सा आपातकाल, सामाजिक स्तर उठाना इत्यादि शामिल है।

इस सर्वे से एक सुझाव सामने आया है कि ज्वैलरों को जीएमएस मे शामिल किया जाना चाहिए।

घरेलु तथा अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज कार्यशाला मे एक्सचेंज की स्थापना से संबंधित प्रश्नों के समाधान दिए गये।

सिक्वल लॉजिस्टिक्सः घरेलु स्पॉ एक्सचेंज का सेबी मान्यताप्राप्त पहला वॉल्ट मैनेजर

इन्टरनैशनल एक्सचेंज के संबंध मे स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेस तथा डालर के प्रेषण के आस–पास अधिकतर चर्चाएं होती रही है। आरबीआई इस संबंध मे जरुरी दिशा–निर्देश लेकर आयेगा कि आईएफएससी क्षेत्र मे किस प्रकार डालर का प्रेषण होगा जो कि गोल्ड आयात के लिए उपयोग किया जायेगा। इस कार्यशाला मे एक्सचेंज के माध्यम से ज्वैलरों के मिलने वाले लाभ को लेकर भी कुछ प्रश्न किए गये, साथ यह भी पूछा गया कि क्या उन्हे उसी दिन गोल्ड की डिलीवरी हो सकती है? इसके प्रत्युत्तर मे आईएफएससी ने कहा कि यह सीडीएसएल, एनएसडील, एमसीएक्स, एनएसई तथा बीएसई के साथ इन्डिया आईएनएक्स व इन्डिया क्लीयरिंग कार्पोरेशन के माध्यम से संबद्ध है। आईएफएससी एपीआई पर कार्य कर रहा है, इसमे जब क्रेता तथा विक्रेता का लेनदेन पक्का हो जायेगा तो बार की डिलीवरी ३० मिनिट मे ही कर दी जायेगी बजाए शाम के निपटान के लिए प्रतीक्षा किए जाने के। एक कार्यशाला भारत–यूएई के मध्य हुए सीईपीए समझौता तथा इसमे शामिल एचएस कोड ७११२ पर भी हुई जिसमे कि प्रमुख रुप से आयात ड्युटी लागू करने मे अस्पष्टता पर चर्चा हुई। भारतीय कस्टम कानून मे इसकी जानकारी है लेकिन विस्तार से नही बताया गया है। टीआरक्यू अनुपालन प्रमुख चिंता का विषय है, इसके अलावा निर्यात निगरानी तंत्र, टीईआई तथा गोल्ड पावडर आयात मे नियम स्पष्टता इत्यादि पर भी चर्चा हुई।

एक विशेष सत्र मे डब्ल्युजीसी ने गोल्ड बारों की प्रामाणिकता के संबंध मे जानकारी दी गई। डब्ल्युजीसी अवैध तथा नकली बारों पर अंकुश लगाने के लिए एलबीएमए के साथ गोल्ड बार सप्लाई चेन मे सुरक्षित चेन ऑफ कस्टडी पर कार्य कर रहा है ताकि बाजार मे एक विश्वसनीय तथा प्रामाणिक तंत्र विकसित हो सके और निवेशकों तथा कारोबारियों को लाभ मिले। गोल्ड के सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों मे वहां से कारोबारियों के साथ मिलकर कार्य करते हुए डब्ल्युजीसी एक मजबूत तंत्र का निर्माण कर रहा है। इसे आगे और बेहतर व कायम रखने के लिए सभी हितधारकों को ईमानदारी से इस पर प्रतिबद्ध बने रहना होगा। नीतिगत निर्णय लेने के लिए कुछ वर्किंग पेपर भी प्रस्तुत किए गये। भारत मे गोल्ड ज्वैलरी निर्माता मजदूरों की दशा पर किए गये सर्वे मे यह सामने आया है कि कार्य–वातावरण कितना महत्वपूर्ण है। वर्तमान मे अधिकतर कारीगर अस्वच्छ स्थानों तथा कम मजदूरी दर पर कार्य करते है। कुल मिलाकर इस सम्मेलन मे वृहद परिधि स्तर की चर्चाएं हुई है।

SOVEREIGN
METALS LIMITED

Sovereign Metals Limited is in the business of refining precious metals (gold and silver) and supplying highest and most consistent quality products and related services and solution to customers at their place of convenience by leveraging its competent and customer-focused human resources, industry-leading technology infrastructure and transparent and globally compliant-sourcing practices.

Sovereign Metals Limited would pursue environmentally sustainable manufacturing practices and would strive to be a world leader in its chosen segment from India.

www.sovereignmetals.in

Swarna Adarsh Abhiyaan

An industry initiative

Inspired by the
Retail Gold Investment Principles

स्वर्ण आदर्श अभियान (एसएए)

भारतीय गोल्ड उद्योग की एक पहल

एसएए सेन्टर फॉर एक्सीलेन्स

इन्डिया जेम्स एन्ड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउन्सिल (जीजेसी) के द्वारा ३–६ अप्रैल २०२२ के दौरान जिओ सेन्टर, मुंबई मे द इन्डिया जेम्स एन्ड ज्वैलरी शो (जीजेएस) का आयोजन किया गया था। वर्ल्ड गोल्ड काउन्सिल इस शो के प्रमुख प्रायोजक थे, इनकी टीम के द्वारा सेवन रिटेल गोल्ड प्रिंसिपल के बारे मे जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। भारतीय गोल्ड उद्योग ने डब्ल्युजीसी के साथ मिलकर स्वर्ण आदर्श अभियान शुरु किया है जिसका उद्देश्य यहां के गोल्ड बाजार मे ७ आरजीपी को अपनाना है।

ी पी आर सोमासुन्दरम, रीजनल सीईओ, डब्ल्युजीसी इन्डिया, ने माइन्डस्पीक २.२ मे भारतीय गोल्ड बाजार के लिए एसएए के अंतर्गत विकसित ७ आरजीआईपी की प्रासंगिगता तथा इसे अपनाये जाने से होने वाले लाभों के बारे मे प्रतिनिधियों को अवगत कराया। इसके साथ सेल्फ रेग्युलेटरी ऑर्गानाइजेशन (एसआरओ) की स्थापना की विषय मे जानकारी दी कि यह एक कानूनी मान्यता प्राप्त संस्था है जो कि एसएए के अंतर्गत भारतीय गोल्ड बाजार को कोड ऑफ कन्डक्ट (सीओसी) अपनाये जाने के लिए सहायता प्रदान करेगा, इसमे किसी एक व्यापारिक निकाय का प्रतिनिधित्व नही रहेगा। सभी ने इसका पूरे हृदय से स्वागत किया।

श्री श्रीवत्सवा जी, डायरेक्टर एवं सीईओ, इवेन्टेल ग्लोबल एडवॉयज़री प्रा. लि., ने अपने प्रेजेन्टेशन मे एसएए की आवश्यकता के बारे मे बतलाया। उन्होने कहा कि भारतीय गोल्ड ज्वैलरी उद्योग का कारोबार लगभग ४.५ लाख करोड़ रुपयों का है जिसमे संगठित क्षेत्रों की हिस्सेदारी केवल २५% है और बाकी ७५% कारोबार असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है। यह एक विखंडित उद्योग है जहां पर बराबरी व पेशेवरीता की कमी है। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करना तथा उद्योग को समग्र बनाना अभी के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए संरचनात्मक परिचालन प्रक्रिया अपनाये जाने की जरुरत है ताकि ग्राहकों का विश्वास कायम हो सके। भारत को एएमएफ आई तथा महा–रेगा जैसे कार्यक्रमों की सफलता का उदाहरण देते हुए एस आरओ को भी उसी स्तर का निरुपित करते हुए इसका समर्थन किया है। इसके अलावा उन्होने यह भी बताया कि एस आरओ न्युनतम शासन तथा अधिकतम संचालन के आधार पर कार्य करेगा जिसके चलते इसका क्रियान्वयन तेजी से और अधिकतम स्वीकरण होगा।

यह शो अभियान (एसएए) के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए बेहतर मंच साबित हुआ है। इस प्रचार अभियान के अंतर्गत शो मे शामिल प्रतिनिधियों को एसएए के बारे मे अधिक जानकारियां प्रदान करने व जागरुक बनाने के उद्देश्य से फ्लायर वितरण, बैनर, ऑडियो–विडियो प्रेजेन्टेशन भी इस प्रदर्शनी मे किया गया। सभी आगंतुको को ७ आरजीआईपी पैम्पलेट भी वितरित किया गया।

एसएए की सेन्टर ऑफ एक्सलेंस टीम ने इस प्रदर्शनी मे आये ४५० से अधिक ज्वैलरों के मध्य वर्ड–ऑफ–माउथ (डब्ल्युओएमएम) प्रचार के लिए उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके अलावा श्री बेन्जामिन बेह, लीगल हेड एपीएसी तथा श्री अजित मौसकर, इन्डिया डायरेक्टर डब्ल्युजीसी से मिलकर उन्हे इस कार्यक्रम की सफलता की जानकारी प्रदान की

चार दिनों तक चले प्रदर्शनी मे इस अभियान के बारे मे जागरुकता लाने का कार्य किया गया। सेन्टर ऑफ एक्सलेंस टीम का मानना है कि यह अभियान आगे के समय मे और मजबूत होगा।

valcambi
suisse

The best time to buy a
CombiBarTM was 10 years ago.
The second best time is now.

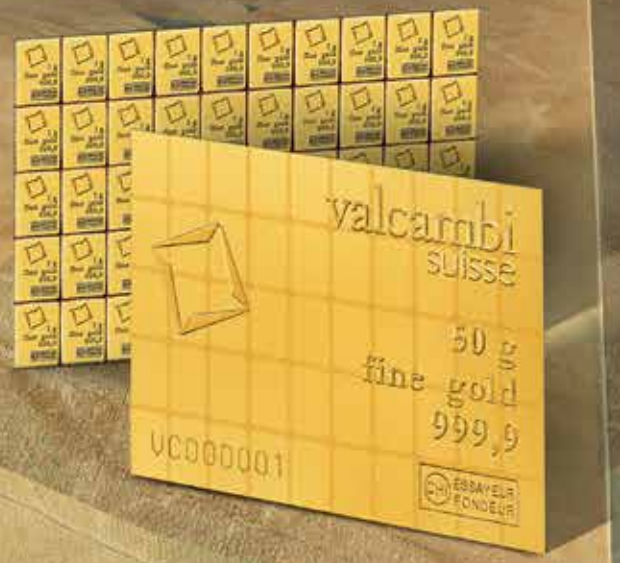

CHI ESSAYEUR FONDEUR

सिक्वल लॉजिस्टिक्स: घरेलु स्पॉट एक्सचेंज का सेबी मान्यताप्राप्त पहला वॉल्ट मैनेजर

भारतीय प्रतिभूति तथा विनिमय बोर्ड (सेबी) ने घरेलु स्पॉट एक्सचेंज मे संबद्ध गतिविधियों के संचालन के लिये वॉल्ट मैनेजर के रुप मे सिक्वल लॉजिस्टिक्स प्रा. लिमि. को मान्यता प्रदान

की है।

सिक्वल प्रिशियस मेटल्स के वैश्विक परिवहन तथा भंडारण का एक विश्वसनीय, सुरक्षित, तकनीकी परक तथा मजबूत नेटवर्क कंपनी है। इसकी स्थापना वर्ष २००४ मे हुई थी।

प्रिशियस मेटल्स लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र मे अग्रणी सेवा प्रदाता के रुप मे सिक्वल इस क्षेत्र के सप्लाई चेन मे लगभग सभी हितधारकों के लिए कार्य करता है जिसमे कि माइनर, रिफाइनर, बैंक, बुलियन कारोबारी, ज्वैलरी निर्माता व रिटेलर, एक्सचेंज प्लेटफार्म तथा ई–कॉमर्स इत्यादि कंपनियां शामिल है। सिक्वल आरजेसी (रिस्पॉन्सिबल ज्वैलरी काउन्सिल) मान्यताप्राप्त सदस्य भी है तथा अपने परिचालन सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का अनुपालन करता है। पिछले १८ वर्षो मे स्थापित अपने विश्वसनीयता के कारण सिक्वल आज अनेकों शासकीय संस्थानों तथा बैंको की परियोजनाओं का प्रबंधन कर रहा है।

वॉल्ट मैनेजर नियुक्ति के लिए अर्हताएं–

- भारत स्थित निकाय
- न्युनतम पचास करोड़ रुपये का टर्नओवर
- गोल्ड के सुरक्षित जमा, भंडारण तथा आहरण के लिए समुचित अवसंरचना उपलब्ध होना चाहिए
- किसी हानि की क्षतिपूर्ति के लिए पर्याप्त बीमा कवर होना चाहिए
- वॉल्ट मैनेजर व्यवसाय के लिए जरुरी अनुभव, ज्ञान तथा जानकारी होनी चाहिए और साथ ही सक्षम कर्मचारी भी नियुक्त होना चाहिए
- सेबी निर्दिष्ट मानदंडो मे पूरा हो
- वॉल्ट मैनेजर के पास सभी स्थानों के वॉल्ट प्रबंधन के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) होनी चाहिए।

गोल्ड जमा

स्पॉट एक्सचेंज मे गोल्ड विक्रेता को पहले सिक्वल गोल्ड जमा कर इलेक्ट्रानिक गोल्ड रीसिप्ट (ईजीआर) प्राप्त करना होगा जो कि बिना भौतिक गोल्ड जमा किए जारी नही किया जा सकता है। गोल्ड जमा के दौरान सिक्वल शुद्धता, वजन तथा संबद्ध दस्तावेजों की पूरी जांच करेगा ताकि ट्रेसेबिलिटी सुनिश्चित हो सके।

इलेक्ट्रानिक गोल्ड रिसीट (ईजीआर) जारी करना

ईजीआर को घरेलु हाजिर एक्सचेंज मे एक प्रतिभूति के समान कारोबार किया जा सकता है। सेबी द्वारा मान्यताप्राप्त सभी वॉल्ट मैनेजर एक आम इन्टरफेस के माध्यम से जमा की पूरी व त्वरित जानकारियां साझा करेंगे, मैनेजर द्वारा जमा स्वीकार किये जाने के बाद ईजीआर जमाकर्ता के नाम पर जारी किया जायेगा। सिक्वल इस बात की सुनिश्चिती करेगा कि जमा के दौरान दी गयी जानकारियां पूर्णतः सत्य है। सिक्वल तथा जमाकर्ता के मध्य ईजीआर तथा भौतिक गोल्ड के सत्यापन के लिये सामयिक तथा कड़ी अनुशासनात्मक प्रक्रिया अपनायी जायेगी।

गोल्ड का आहरण

ईजीआर कारोबार के दौरान अनेकों खरीदारों के हाथों से गुजरेगा जब तक कि कोई इसे डिलीवरी लेने के लिए तैयार नही होता है। ईजीआर धारक को गोल्ड के आहरण के लिए सिक्वल के पास आवेदन देना होगा, परिचालन के सभी फीस अदा करने के बाद आहरण की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा सिक्वल को डिपॉडिजटरी के द्वारा निर्देश प्राप्त होने के बाद संबद्ध ईजीआर धारक को गोल्ड की सुपुर्दगी कर दी जायेगी।

AL ETIHAD GOLD

PURITY & QUALITY AT ITS BEST

Al Etihad is a story of awe-inspiring growth and transition, a journey that has made the company one of the most recognised and trusted gold and silver brands globally.

www.aletihadgold.com

P.O. Box 283648 | Tell: +971 4 242 4813 | Fax +971 4 242 4836

सिल्वर की

वर्ष २०२१ की स्थिति

कोविड के बाद औद्योगिक गतिविधियों मे तेजी आने से सिल्वर की मांग मे एक बार फिर मजबूती देखी गयी, साथ ही रिटेल निवेशकों ने भी इसमे खरीदी की रुचि दिखाई है।

सिल्वर सप्लाई

वर्ष २०२१ मे, वैश्विक सिल्वर की प्राथमिक स्त्रोतों से सप्लाई ८२२.६ मिलियन आउंस या २५,५८७ टन अनुमानित की गयी है, यह वर्ष २०१३ की तुलना मे उच्चतम वृद्धि दर है। इस दौरान सिल्वर प्रायमरी माइन से उत्पादन १०.२% बढ़कर २२९.९ मिलियन आउंस या ७,१५२ टन अनुमानित की गयी है।

बाय–प्रोडक्ट उत्पादन

जस्ता–सीसा माइन से उत्पादन– ५.१% बढ़कर २५२.८ मिलियन आउंस या ७,८६२ टन हुआ है।

गोल्ड माइनों से उत्पादन–

५.८% बढ़कर १२७.६ मिलियन आउंस (३,९६७ टन) हुआ है।

तांबे की माइन से उत्पादन– मे आंशिक ०.७% की वृद्धि से २०८.२ मिलियन आउंस या ६,४७६ टन का उत्पादन हुआ है।

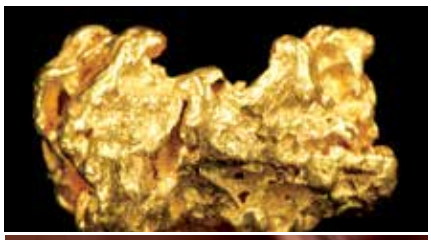

पुर्नचक्रीयकरण या रीसायकलिंग

रीसायकलिंग से सिल्वर की आपूर्ति मे पिछले आठ वर्षों का उच्चतम स्तर देखा गया है, इस वर्ष १७३ मिलियन आउंस या ५,३८३ टन सिल्वर मुख्यतः औद्योगिक अपशिष्ट रीसायकिंग के रुप मे प्राप्त किया गया है।

सिल्वर सप्लाई

वर्ष २०२१ मे, वैश्विक सिल्वर की प्राथमिक स्त्रोतों से सप्लाई ८२२.६ मिलियन आउंस या २५,५८७ टन अनुमानित की गयी है, यह वर्ष २०१३ की तुलना मे उच्चतम वृद्धि दर है। इस दौरान सिल्वर प्रायमरी माइन से उत्पादन १०.२% बढ़कर २२९.९ मिलियन आउंस या ७,१५२ टन अनुमानित की गयी है।

सिल्वर की मांग

वर्ष २०२० मे मांग मे आयी कमजोरी के बाद इस वर्ष २१% की तेजी देखी गयी तथा कुल मांग १.०५ बिलियन आउंस या ३२,६२७ टन अनुमानित की गयी है। सिल्वर की मांग कोविड से पहले मांग से अधिक हो चुकी है तथा वर्ष २०१५ के बाद उच्चतम स्तर पर है। सिल्वर बार तथा सिक्कों की मांग प्रमुख रुप से रही है। औद्योगिक परिचालन मे तेजी आने के बाद से औद्योगिक निर्माण की मांग मे ९.३% की तेजी से कुल मांग ५०८.२ मिलियन आउंस या १५,८०७ टन अनुमानित की गयी है, यह मात्रा वर्ष २०१० के बाद उच्चतम स्तर है। सिल्वर की औद्योगिक मांग के तेजी आने के प्रमुख कारण निम्न है–

- कन्ज़्युमर इलेक्ट्रानिक्स मांग मे वृद्धिवृद्धि
- ५ जी अवसंरचनाओं मे बढ़ता निवेश
- सोलर फोटोवोल्टिक की मांग मे तेजी

वर्ष २०२२ के लिए परिस्थिति

परियोजनाओं के शुरु होने, बड़े माइनों से उत्पादन मे वृद्धि तथा औद्योगिक रीसायकलिंग मे तेजी के चलते सकल सिल्वर सप्लाई मे ३% बढ़ोत्तरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वर्ष २०२२ मे सिल्वर की प्रायमरी तथा सेकेन्डरी स्रोतों से सप्लाई ८४३.२ मिलियन आउंस या २६,२२६ टन होने का अनुमान है।

सिल्वर की मांग मे ५% वार्षिक की दर से वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है। उच्च जीडीपी वृद्धि के चलते औद्योगिक निर्माण मे वृद्धि, इलेक्ट्रानिक वाहनों की बढ़ती मांग, भूराजनैतिक तनावों के चलते नवीनीकृत ऊर्जा परियोजनाओं की बढ़ती मांग (सोलार) सिल्वर की सकल मांग मे वृद्धि के प्रमुख कारक है। सिल्वर ज्वैलरी तथा सामानों की मांग मे कोविड के बाद खासी बढ़त देखी जा रही है।

अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दर को लेकर निर्णय भाव गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इसके चलते अनेक सकारात्मक तथा सहयोगी कारक अनुपयोगी साबित हो सकते है। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि भाव मे ५% तक सीमित गतिविधि हो सकती है।

लॉजिस्टिक्स एक महत्वपूर्ण कारण–

सीमापार गतिविधियों पर नियंत्रण, लॉकडाउन, रुस–यूक्रेन युद्ध के बाद वायु परिवहन मे अवरोध, चीन की जीरो कोविड नीति इत्यादि से वैश्विक सप्लाई चेन गतिविधियों मे असर पड़ेगा जो कि सिल्वर की औद्योगिक मांग को प्रभावित कर सकते है।

सिल्वर की वैश्विक मांग व आपूर्ति

(मात्रा मिलियन आउंस मे)

सप्लाई	२०२०	२०२१	२०२२ (अनुमानित)	% +/– वार्षिक आधार पर
माइन उत्पादन	७८१.१	८२२.६	८४३.२	२%
रीसायकलिंग	१६२.२	१७३	१८०.५	४%
नेट हेजिंग सप्लाई	८.५	०	५.०	एनए
नेट अधिकृत क्षेत्र बिक्री	१.२	१.५	१.५	१%
कुल सप्लाई	९५३.०	९९७.२	१०३०	३%
मांग				
औद्योगिक	४६४.९	५०८.२	५३९.६	६%
इसमे फोटोवोल्टिक	१०१.०	११३.७	१२७.०	१२%
फोटोग्राफी	२७.८	२८.७	२८.४	–१%
ज्वैलरी	१४९.८	१८१.४	२०१.८	११%
सिल्वरवेयर	३२.४	४२.७	५२.७	२३%
शुद्ध भौतिक निवेश	२०५	२७८.७	२७९.२	०%
शुद्ध हेजिंग मांग	०	९.४	0	एनए
कुल मांग	८८०	१०४९.०	११०१.८	५%

Source: World Silver institute

स्रोत: वर्ल्ड सिल्वर इन्स्टिट्युट

निप्पॉन इन्डिया सिल्वर ईटीएफ ने पहले दो माह मे ३०० करोड़ रुपयों का निवेश आकर्षित किया है।

निप्पॉन इन्डिया १३ जनवरी तथा २७ जनवरी २०२२ को दो सिल्वर आधारित एनएफओ, क्रमशः निप्पॉन इन्डिया सिल्वर ईटीएफ तथा निप्पॉन इन्डिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड, की शुरुआत की है। सिल्वर ईटीएफ ने २ फरवरी २०२२ के बाद से ९.५% का रिटर्न दिया है, ३१ मार्च २०२२ तक इसका एयूएम ३०० करोड़ था।

कोविड से पहले के समय मे भारत की कुल सिल्वर मांग लगभग ६,००० टन थी, इसमे से १,५०० टन भौतिक निवेश के रुप मे था। सिल्वर गोल्ड की अपेक्षा दुगुना भारी होता है इसलिए इसके परिवहन तथा भंडारण की लागत अधिक आती है। भौतिक सिल्वर के इस कठिनाई के चलते ईटीएफ उत्पाद अधिक लोकप्रिय है जो कि निवेश का सुविधाजनक माध्यम भी है। एक फंड हाउस द्वारा शुरुआती पहले दो माह मे ४० टन का कारोबार इस बात का प्रमाण है।

Heartfelt

Mr Gambhir left to Heavenly

Dear Gambhir,

You will always be remembered and celebrated.

The entire Bullion industry will miss you...

ब्राइट मेटल्स रिफाइनर्स

कंपनी के बारे मे

ब्राइट मेटल्स रिफाइनर्स की शुरुआत वर्ष २०१९ मे हुई। यह प्रिशियस उत्पादों का निर्माता, विक्रेता, व्यापार तथा मेटल्स की रीसायकलिंग, रिफाइनिंग सेवा प्रदाता कंपनी है। यह गोल्ड, सिल्वर तथा प्लेटिनम मेटल्स की औद्योगिक रीसायकलिंग तथा रिफायनिंग करती है। प्रिशियस मेटल्स रिफाइनिंग के क्षेत्र मे गोल्ड रिफाइनिंग, एक्स–रे तथा सिल्वर रीफाइनिंग मे हाइड्रो फिक्सर सॉल्युशन जैसि सेवाएं प्रदान करती है।

सेवा प्रस्ताव

हम किफायती दरों पर गोल्ड रिफाइनिंग सेवा प्रदान करते है, हमारे पास उपलब्ध आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से हम तय समय मे कार्य पूरा करते है। हम उद्योग मे आवश्यक दिशा–निर्देशों तथा उन्नत तकनीकों का उपयोग करते है। हमारे प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारी ग्राहकों की सभी आवश्यकताओं के अनुसार सेवा प्रदान कर सकने मे पूर्ण सक्षम है।

अनुपालन

हम अपनी रिफाइनरी मे उच्च स्तरीय तकनीकों तथा प्रक्रियाओं का पालन करते है जिसके परिणामस्वरुप हम अन्यों की तुलना मे उत्कृष्ट तथा बेहतर सेवाएं प्रदान करते है। वर्तमान मे हम ९५% से कम मात्रा वाली गोल्ड डोरे का आयात करते है जैसा की डीजीएफटी, भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट है। डोरे गोल्ड बार विश्व की बड़ी माइनिंग कंपनियों से खरीदी जाती है।

अवसंरचनाएं

ब्राइट मेटल्स रिफाइनर्स के पास विश्वस्तरीय सुविधा युक्त ईकाई है जिसमे कि आधुनिक तथा उन्नत तकनीकों की मशीने स्थापित की गयी है। हम भविष्य की जरुरत तथा पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए निर्माण मे नियमित नये निवेश करते रहते है जो कि सभी बड़े व छोटे कार्य के लिए पर्याप्त है। हम शुद्धता तथा सेवाओं को ध्यान मे रखते हुए अपने ग्राहकों की आशाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मजबूत प्रबंधन जो कि एक पेशेवर टीम का नेतृत्व करता है तथा कुशल व प्रतिबद्ध स्टाफ हमारी कंपनी के मजबूत स्तंभ है।

हम प्रिशियस मेटल्स की रिफाइनिंग के लिए उच्च तथा नवीनतम तकनीक की मशीनों का उपयोग करते है। किसी भी प्रसिद्ध ब्रांड के लिए नैतिक मानक अनुरुप गोल्ड की खरीदी के साथ ही ईको-रिस्पॉन्सिबल प्रक्रिया से उत्पादित मेटल्स से समझौता करना इसके साख पर जोखिम ला सकता है। साथ ही यह आज के आधुनिक ग्राहकों की मांग भी है। डोरे गोल्ड की खरीदी मुख्य रुप से लेटिन अमेरिका व अफ्रीका के माइनों से आयात की जाती है, जिसे की हमारी ईकाई मे रिफाइन किया जाता है। हम अपने उत्पादों के लिए पारदर्शिता तथा ट्रेसेबिलिटी की सुनिश्चिती करते है जो कि स्वतंत्र रुप से सत्यापित की जाती है।

रिफाइनिंग गतिविधि का क्षेत्र अन्य से पृथक है तथा ग्राहकों को प्रतिबंधित सीमा के अंदर ही निर्माण तथा रिफाइनिंग प्रक्रिया को देखने की अनुमति दी जाती है।

हम अपनी उत्कृष्ट सेवाओं तथा उत्पादों के विश्वभर की कंपनी के मध्य पहचाने जाते है। हमारे ग्राहक उद्योग के प्रसिद्ध तथा माने निर्माता व डीलर है। हमारी आर एन्ड डी टीम ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार गुणवत्ता सेवा प्रदान करने मे सहयोग देती है। इसके साथ ही हम अपने माननीय ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए श्रेष्ठ उत्पादन प्रक्रिया के सभी अनिवार्य चरणों को पूरा करते है।

डोरे या स्क्रैप गोल्ड की रिफाइनिंग के लिए रासायनिक प्रक्रिया की जाती है जिसमे अवांछित तत्व बाहर आ जाते है, इसे हमारी रिफाइनरी मे पूरे जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाता है। हमारे लैब मे ग्राहकों को दिए जाने वाले गोल्ड की शुद्धता को बेहतर बनाने के लिए सभी संभव प्रयास किये जाते है। अपनी रिफाइनिंग प्रक्रिया को अधिकतम रुप से पर्यावरण अनुकूल बनाये रखने के लिए हमारे इंजीनियर सतत कार्य करते रहते है। मिडिल-इस्ट मे ९९५ शुद्धता के गोल्ड का पारंपरिक रुप से कारोबार होता आया है। वर्ष २००५ मे डीपीएमसी ने इस मानक को औपचारिक बनाकर गोल्ड व सिल्वर लेनदेन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बेन्चमार्क के रुप मे निर्मित कर दिया है। इसे दुबई गुड डिलीवरी के नाम से जाना जाता है।

हमारा उत्पाद

- गोल्ड (एयू)
- ९९५.० शुद्धता
- आयताकार
- ५३.०० मिमी ११७.०० मिमी आकार
- शुद्ध वजन १००,००० ग्राम
- शुद्धता वजन ९९५,०० ग्राम (३१,९९० आउंस)
- २ अंको तथा ५ अंको के नंबर

To be published in the Gazette of India Extraordinary Part-II, Section-3, Sub-Section (II)

Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Directorate General of Foreign Trade

Notification No. 01/2015-2020
New Delhi, Dated: 29th April, 2022

Subject: Amendment in import policy of ITC (HS) Codes 71123000, 71129100, 71129200, 71129910, 71129920, and 71129990 under Chapter 71 of Schedule – I (Import Policy) of ITC (HS), 2022.

S.O. (E): In exercise of powers conferred by Section 3 read with Section 5 of FT (D&R) Act, 1992, read with paragraph 1.02 and 2.01 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, as amended from time to time, the Central Government hereby amends the import policy of ITC (HS) Codes under tariff head 7112 under Chapter 71 of ITC (HS), 2022, Schedule – I (Import Policy), with immediate effect, as under:

ITC(HS)	Item Description	Existing Import Policy	Revised Import Policy
7112 30 00	Ash containing precious metal or precious metal compounds	Free	Restricted
7112 91 00	-Other:--Of gold, including metal clad with gold but excluding sweepings containing other precious metals	Free	Restricted
7112 92 00	-Other:--Of platinum, including metal clad with platinum but excluding sweepings containing other precious metals	Free	Restricted
7112 99 10	--Other:---Of silver, including metal clad with silver but excluding sweepings containing other precious metals	Free	Restricted
7112 99 20	--Other:---Sweepings containing gold or silver	Free	Restricted
7112 99 90	--Other:--- Other	Free	Restricted

Effect of the Notification: Import policy of ITC (HS) Codes 7112 30 00, 7112 91 00, 7112 92 00, 7112 99 10, 7112 99 20 and 7112 99 90 has been revised from 'Free' to 'Restricted' with immediate effect.

This issues with the approval of Minister of Commerce & Industry.

29.4.2022

(Santosh Kumar Sarangi)
Director General of Foreign Trade &
Ex- officio Addl. Secretary to the Government of India

(F.No.01/89/180/36/AM-11/PC-2(A)/ E-1678)

INDIA news

New Agreement to Boost Gems and Jewellery Trade with Australia

The Comprehensive Economic Cooperation Agreement (CECA) between India and Australia is expected to boost the bilateral trade of gems and jewellery between the two countries, said the Gems and Jewellery Export Promotion Council (GJEPC).

Both the countries signed the agreement, under which Australia would provide duty-free access in its market for broad sectors of India including jewellery. The agreement is likely to come into force within the next four months. In return, Australia will benefit from access to areas such as diamond. Incidentally, Australia has been one of the largest suppliers of gold and silver bullion as well as diamond to India until recently.

Source: https://www.scrapmonster.com

India's gold imports surge to $46.14 bn in FY22 on higher demand

India's gold imports, which have a bearing on the country's current account deficit (CAD), rose by 33.34 per cent to USD 46.14 billion during the 2021-22 fiscal on account of higher demand, according to official data. Gold imports were worth USD 34.62 billion in 2020-21. The surge in gold imports during the last financial year contributed to the widening of the trade deficit to USD 192.41 billion, against USD 102.62 billion in 2020-21.

Source: https://www.business-standard.com

Digital gold offers much more secure storage combined with a rather flexible way of investment

Gold loan major Muthoot Finance saw its active loan base shrinking in the third quarter, while the consolidated loan assets under management increased 9% year on year to Rs 54,687 crore.

Digitisation and innovative technologies are creating unprecedented disruption in the entire banking and finance sector, and it comes as responsibility for lenders like us to be agile to meet the rising expectations of customers. The gold financing business in India has undergone a major transformation driven by the increased use of technology for faster loan processing, accurate gold valuation, safekeeping, auctions, and cost-cutting.

Source: https://www.financialexpress.com

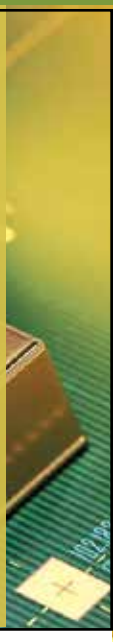

GST Council may do away with 5% rate; move items to 3% & 8% slabs

With most states on board to raise revenue so that they do not have to depend on Centre for compensation, the GST Council at its meeting next month is likely to consider a proposal to do away with the 5 per cent slab by moving some goods of mass consumption to 3 per cent and the remaining to 8 per cent categories, sources said. Currently, GST is a four-tier structure of 5, 12, 18 and 28 per cent. Besides, gold and gold jewellery attract 3 per cent tax.

Source: https://economictimes.indiatimes.com

Malabar Gold and Diamonds eyes revenue of Rs 45,000 cr in FY23

Jewellery retailer Malabar Gold and Diamonds said it aims to garner Rs 45,000 crore in revenue this fiscal on the back of company's robust retail expansion plans. It plans to open 97 showrooms, including 60 across India and 37 overseas. This will take the company's total showroom count to 373 by the end of March next year, with a presence in 13 countries.

Source: https://theprint.in

RBI Announces Dates For Premature Redemption of Sovereign Gold Bonds; Know Details Here

The Reserve Bank of India has released dates for the premature withdrawal of Sovereign Gold Bonds (SGB) issued under different tranches. The RBI had through a press release listed out the details of the SGB tranches, which were falling due for premature redemption during H1 of 2022-23, i.e., from April 1, 2022 to September 30, 2022, along with a window for submission of request for premature redemption.

Source: https://www.outlookindia.com

Retail gold demand from India fell slightly but ETF inflows increased

The World Gold Council (WGC) has released the latest statistics from India in regards to gold consumption and there has been a slight drop in retail demand. The WGC noted that retail demand remained sluggish as buyers postponed purchases in anticipation of a correction in the gold price.

Source: https://www.kitco.com

India's biggest bullion refiner forays into silver for industrial use

India's biggest bullion refiner is expanding its business to industrial silver as demand for the metal -- used in everything from switches to television screens -- is set to surge in the South Asian nation.

MMTC-PAMP India Pvt., which has the capacity to refine about 900 tons of gold and silver, has started making silver and alloy contacts -- --used in electrical fuse boxes and switches -- at a factory next to its refinery in the state of Haryana, Managing Director. The plant will produce more than 100 million pieces of contacts this financial year, with plans to double output by the end of March 2024, he said.

Source: https://www.business-standard.com

INTERNATIONAL news

Dubai gold market set for glittering heights

The gold market in Dubai, chock-a-block with over 300 Indian jewellery shops, will likely reach dizzying heights both in volume and value once the free trade agreement between India and the United Arab Emirates (UAE) kicks in. The trade pact, likely to be effective from May 1, has clubbed Indian gold with other items that will attract zero import duty, down from the current level of 5%. But gold producers and retailers that ET spoke to on the condition of anonymity are concerned that the agreement does not have any provisions to address the smuggling of the yellow metal from Dubai and other cities of the UAE into India.

Source: https://economictimes.indiatimes.com

Russia's miners seek new ways to sell $20b annual gold output

Russia's huge gold industry is searching for new ways to sell its metal, including direct exports to China, India and the Middle East, as sanctions choke off its traditional sales routes, precious metal analysts said.

According to people familiar with the matter, the direct export strategy being pondered by Russian miners, who desperately seek to sell the roughly 340 tonnes worth about $20 billion they produce each year, comes in the wake of the latest sanctions move by the US and its G7 partners to bar all transactions with the Russian central bank's gold reserves, valued at roughly $130 billion.

Source: https://www.khaleejtimes.com

Russia moves closer to the gold standard and what it really means

This was Putin's first major offensive against the global financial markets, which had sought to corner Russia by imposing sanctions at multiple levels. After putting sanctions on Russian payments, the latest round of sanctions by the US decided to curb the Russian trade in gold by disallowing the citizens of the US and its allies from trading with Russian banks for gold.

Source: https://www.indiainfoline.com

China's imports have shifted platinum into global deficit, says independent consultant

China's importation of platinum has shifted platinum's supply balance into deficit, says an independent precious metals consultant. Supply-and-demand forecasts presented to the market are not giving the complete picture. This has led to the contradiction of global markets reporting significant surpluses while exhibiting distinct tightness, he points out. When taking China's imports into account, global above-ground stocks are significantly higher than the level reported, according to his calculations.

Source: https://www.miningweekly.com

Despite a Rising Rate Outlook, Investors Are Still Attracted to Gold ETFs

While hedge funds are ditching precious metals ahead of an increasingly hawkish Federal Reserve stance on monetary policy, gold continues to gain momentum from increased physical demand and ongoing interest for physical gold-backed exchange-traded funds.

Commodity Futures Trading Commission's weekly disaggregated Commitments of Traders report for the week ended March 29 revealed money managers diminished speculative gross long positions in Comex gold futures by 6,103 contracts to 146,486 and even raised short positions 727 contracts to 38,184, Kitco reports.

Source: https://www.etftrends.com

Uzbekistan becomes the world's largest gold seller in February

Uzbekistan has become the world's largest gold seller in February, according to the World Gold Council. Global central bank gold reserves fell by 6 tons in February.Uzbekistan decreased its gold reserves by 22 tons to 339 tons – the lowest level of gold holdings since December 2020. Even after the sale in February, gold reserves of Uzbekistan still account for 59% of total reserves.

Source: https://akipress.com

Chinese Gold Price Spread Got Squeezed in March

The regional insights published by the World Gold Council (WGC) stated that spread between the local and international prices of gold in China got squeezed during the month of March this year. The local gold consumption remained subdued, as several major cities implemented lockdown measures, following fresh spike in Covid-19 cases in the country. Meantime, the net holdings in Chinese gold exchange traded funds (ETFs) rose in March this year, mainly driven by fall in equity markets. The listing of three new gold funds in late-March too contributed to the rise in ETF holdings.

Source: https://www.scrapmonster.com

London market blocks newly refined Russian platinum and palladium

Newly refined Russian platinum and palladium was suspended from trading in London, denying access to the metals' biggest trade hub in the latest in a growing list of measures against Russian interests because of the conflict in Ukraine. Prices of palladium surged as much as 11 per cent, with traders fearing the move could worsen a shortage of the metal automakers use in exhaust pipes to reduce emissions.

Source: https://cyprus-mail.com

Western Australia is the world's new top mining destination

Resource-rich Western Australia has been picked the most attractive region for mining investment in 2021, replacing the US state of Nevada, which fell to the third place in the latest annual survey of mining companies released by think-tank the Fraser Institute.

Source: https://www.mining.com/

Organised by

EVENTELL GLOBAL
We work even

INDIA GOLD CONFERENCE

29-31 July 2022

ITC Grand Chola, Chennai

Title Sponsor

PAMP
Swiss Excellence.
Made in India.

Presented by

INDIA BULLION AND JEWELLERS ASSOCIATION LTD.
Since 1919

Platinum Sponsor

KUNDAN

Powered by

sam
SAM PRECIOUS METALS

Diamond Sponsor

IGR AuSom

Gold Sponsor

WORLD GOLD COUNCIL

Gold Sponsor

BG

Gold Sponsor

Refinery Partner

SOVEREIGN METALS LIMITED

Global Refinery Partner

RAND REFINERY

Awards Nite Gala Dinner

ARIPLUTUS METALS PVT. LTD.

Shreeji

Gala Theme Dinner

StoneX

Bullion Partner

Amrapali
Gujarat

Lanyard Sponsor

J.P.Morgan

Secure Logistics Partner

SEQUEL
GLOBAL PRECIOUS LOGISTICS

Preferred Dealer Partner

dP GOLD

Free Zone Partner

BRINKS
Global Services

Lunch Sponsor

Parker Precious Metals LLP

Lunch Sponsor

SHIV SAHAI & SONS (I) PVT. LTD.

Delegate Kit Sponsor

Fischer

Digital Gold Partner

DIGIGOLD
RESERVING TODAY & TOMORROW

Information Partner

METALS FOCUS

Supporting Body

SBMA

Media Partner

BullionWorld

For more details visit **www.goldconference.in** or

Contact Ms Abhinaya: **+91 9343734140**, Email: **abhinaya@eventellglobal.com**

IBJA Opening & Closing Rates for Gold and Silver

(All rates in INR)

	Gold 999		Gold 995		Gold 916		Gold 750		Gold 585		Silver 999	
Date	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
04-01-2022	51822	51638	51615	51431	47469	47300	38867	38729	30316	30208	67173	66889
04-04-2022	51313	51485	51108	51279	47003	47160	38485	38614	30018	30119	66737	66628
04-05-2022	51512	51451	51306	51245	47185	47129	38634	38588	30135	30099	66445	66468
04-06-2022	51457	51578	51251	51371	47135	47245	38593	38684	30102	30173	65825	65919
04-07-2022	51630	51790	51423	51583	47293	47440	38723	38843	30204	30297	66074	66019
04-08-2022	51790	51839	51583	51631	47440	47485	38843	38879	30297	30326	66682	66636
04-11-2022	52157	52510	51948	52300	47776	48099	39118	39383	30512	30718	67063	67672
04-12-2022	52645	52622	52434	52411	48223	48202	39484	39467	30797	30784	68150	67833
04-13-2022	53039	53220	52827	53007	48584	48750	39779	39915	31028	31134	69025	69316
04-18-2022	53590	53603	53375	53388	49088	49100	40193	40202	31350	31358	69910	70109
04-19-2022	53285	53499	53072	53285	48809	49005	39964	40124	31172	31297	69881	70344
04-20-2022	52552	52752	52342	52541	48138	48321	39414	39564	30743	30860	68282	68590
04-21-2022	52751	52540	52540	52330	48320	48127	39563	39405	30859	30736	68355	67330
04-22-2022	52821	52474	52610	52264	48384	48066	39616	39356	30900	30697	67184	66685
04-25-2022	52219	52077	52010	51868	47833	47703	39164	39058	30548	30465	65492	65166
04-26-2022	51851	51993	51643	51785	47496	47626	38888	38995	30333	30416	65510	65597
04-27-2022	51868	51749	51660	51542	47511	47402	38901	38812	30343	30273	65234	65277
04-28-2022	51264	51526	51059	51320	46958	47198	38448	38645	29989	30143	63991	64266

The above rates are exclusive of GST/VAT

Bullion - Data & Statistics

Gold Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Gold	01st April	28th April	% Change
Australia (AUD)	2566.82	2666.25	3.87
Britain (GBP)	1467.88	1520.57	3.59
Canada (CAD)	2410.23	2427.04	0.70
Europe (Euro)	1742.50	1804.64	3.57
Japan (Yen)	235833.90	247909.37	5.12
Switzerland (CHF)	1781.71	1841.83	3.37
USA (USD)	1924.30	1895.52	-1.50

Silver Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Silver	01st April	28th April	% Change
Australia (AUD)	32.82	32.60	-0.65
Britain (GBP)	18.76	18.60	-0.87
Canada (CAD)	30.82	29.68	-3.69
Europe (Euro)	22.27	22.07	-0.92
Japan (Yen)	3004.85	3031.62	0.89
Switzerland (CHF)	22.77	22.52	-1.11
USA (USD)	24.61	23.18	-5.84

Monthly Exchange Data (Gold) (From April 01-28)						
Exchange	**Commodity**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Gold June 22	1935.00	1997.10	1881.10	1885.90	-3.25
SHANGHAI –SHFE[4]	Gold June 22	395.88	409.04	393.48	399.08	0.94
MCX[1]	Gold June 22	51936.00	53663.00	50828.00	51262.00	-1.73
TOCOM[3]	Gold June 22	7506.00	8154.00	7547.00	7831.00	4.09

1- Rs/10 gms, 2- $/oz, 3- Jpy/gm 4 (RMB) Yuan/gram 5 - $/gram

Monthly Exchange Data (Silver) (From April 01-28)						
Exchange	**Commodity**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Silver July 22	24.99	26.58	22.94	23.58	-6.46
MCX[1]	Silver July 22	67955.00	71454.00	64200.00	64580.00	-5.30
TOCOM[3]	Silver June 22	97.20	106.00	94.40	94.40	-2.88

1- Rs/kg, 2- $/oz, 3- Jpy 0.1/gm

Gold Spot Market, India			Rs/10gm
Spot Gold	**01st April**	**28th April**	**% chg**
Ahmedabad	51599.00	51673.00	0.14
Bangalore	51745.00	52308.00	1.09
Chennai	50803.00	51253.00	0.89
Delhi	51932.00	52262.00	0.64
Mumbai	51431.00	51542.00	0.22
Hyderabad	50796.00	51241.00	0.88
Kolkata	51930.00	52510.00	1.12

Currency Change (Monthly)		
	01st April	**28th April**
EUR/USD	1.1053	1.0503
USD/AUD	1.3332	1.4092
USD/GBP	1.3112	1.2456
USD/INR	75.97	76.66
USD/JPY	122.49	130.79

Silver Spot Market, India			Rs/kg
Spot Silver	**01st April**	**28th April**	**% chg**
Mumbai	66889.00	64266.00	-3.92

Bullion - Data & Statistics

LBMA Gold & Silver Price (Per Troy Ounce)

	GOLD AM			GOLD PM				SILVER		
DATE	USD AM	GBP AM	EUR AM	USD PM	GBP PM	EUR PM	DATE	USD	GBP	EUR
04-01-2022	1933.35	1472.44	1748.72	1929.40	1472.90	1746.49	04-01-2022	24.69	18.79	22.32
04-04-2022	1927.10	1469.03	1748.46	1930.30	1471.85	1756.57	04-04-2022	24.67	18.83	22.42
04-05-2022	1929.45	1468.70	1756.57	1944.05	1477.09	1772.58	04-05-2022	24.68	18.80	22.49
04-06-2022	1929.00	1472.41	1768.31	1930.15	1475.99	1768.98	04-06-2022	24.27	18.55	22.23
04-07-2022	1926.40	1473.89	1771.71	1932.40	1479.45	1771.82	04-07-2022	24.38	18.65	22.38
04-08-2022	1931.20	1480.26	1775.93	1941.40	1494.30	1790.55	04-08-2022	24.63	18.88	22.63
04-11-2022	1956.85	1500.51	1792.08	1951.55	1498.40	1793.08	04-11-2022	25.05	19.20	22.95
04-12-2022	1951.40	1500.24	1795.68	1960.85	1503.78	1803.20	04-12-2022	25.01	19.21	23.01
04-13-2022	1975.25	1519.95	1824.34	1976.75	1519.53	1827.31	04-13-2022	25.64	19.72	23.68
04-14-2022	1970.60	1500.22	1805.46	1963.25	1504.83	1821.11	04-14-2022	25.66	19.54	23.53
04-19-2022	1975.95	1516.15	1830.32	1964.00	1510.91	1818.07	04-19-2022	25.92	19.89	24.01
04-20-2022	947.55	1494.74	1797.00	1949.55	1493.36	1797.49	04-20-2022	25.20	19.30	23.21
04-21-2022	1945.95	1489.43	1782.10	1943.70	1488.10	1788.59	04-21-2022	24.65	18.87	22.61
04-22-2022	1942.00	1508.74	1797.71	1941.55	1508.39	1796.32	04-22-2022	24.35	18.86	22.51
04-25-2022	1918.70	1507.14	1786.69	1895.00	1488.33	1767.66	04-25-2022	23.52	18.50	21.92
04-26-2022	1903.40	1497.02	1779.68	1904.60	1501.97	1784.99	04-26-2022	23.77	18.70	22.24
04-27-2022	1896.15	1506.68	1787.31	1885.80	1501.85	1787.74	04-27-2022	23.64	18.77	22.28
04-28-2022	1890.00	1509.35	1795.31	1888.50	1520.05	1797.85	04-28-2022	23.16	18.58	22.06

Disclaimer: All references to LBMA Gold Price are used with the permission of ICE Benchmark Administration Limited and have been provided for informational purposes only. ICE Benchmark Administration Limited accepts no liability or responsibility for the accuracy of the prices or the underlying product to which the prices may be referenced.

LBMA Silver Price ("Benchmark") is owned by The London Bullion Market Association ("LBMA"), calculated by CME Benchmark Europe Ltd. ("CMEBEL") and administered by Thomson Reuters Benchmark Services Ltd. ("TRBSL").

None of LBMA, CMEBEL, TRBSL, their group companies, nor any of their or their group companies' respective directors, officers, employees or agents (collectively the "Disclaiming Parties") shall be liable in respect of the accuracy or the completeness of the Benchmark or the market data related thereto ("Market Data") and none of the disclaiming parties shall have any liability for any errors, omissions, delays or interruptions in providing the Benchmark or market data.

Sourc-

www.mcxindia.com
www.Ncdex.com
www.cmegroup.com
www.tocom.or.jp/Indian
www.barchart.com
www.forexpros.com
Domestic Spot precious metals prices Newspaper
www.lbma.org.uk/index.html
www.netdania.com

GUJARAT GOLD CENTRE

Now you can purchase all range of GOLD & SILVER Coins and Bars through

www.gujaratgoldcentre.com

ASSAYING

With more 20,000 fire assays being performed every year, GGC has engaged growth in the business by operating through three nationally and internationally accredited Gold Assay Laboratories.

REFINING

Here we treat the gold to cleanse the surroundings with our refinery being the first private plant in India to successfully establish and maneuver an environment friendly process.

HALLMARKING

Shielding you from the unworthiness of your jewelry, the hallmarking of each gold piece is carried out by the CNC Laser Marking machine, which is a non-impact method.

info@gujaratgoldcentre.com | www.gujaratgoldcentre.com

HOME DELIVERY | SECURED PAYMENT | GUARANTEED PURITY | SAVE MONEY

s a m
SAM PRECIOUS METALS
WE KNOW WHAT
Precious
REALLY MEANS.

MMTC·PAMP

Swiss Excellence.
Made in India.

THE UNDISPUTED AUTHORITY ON GOLD WELCOMES YOU.

Industry leading 999.9 purity through best technology

Partnership with PAMP-SA, one of the world's most trusted and accredited refiners

Accredited by the London Bullion Market Association - the industry's foremost distinction

Rich heritage of Swiss craftsmanship

For Business or Trade inquiry please contact at: 011 49684200 or email: info@mmtcpamp.com